अर्धवार्षिक परीक्षा सत्र 2020-21

बी.ए. तृतीय वर्ष

हिन्दी साहित्य

प्रश्न पत्र - प्रथम

समय ! 3 घंटा (जनपदीय भाषा - साहित्य (छत्तीसगढ़ी) पूर्णांक - 75

नोट :- सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(24)

प्रश्न 1. व्याख्या कीजिए -

(क) गुरु पइयाँ लागवं नाम लखा दीजो हो ॥ टेक ॥

जनम-जनम का सोया मनुवा, सब्दन मार जगा दीजो हो।

घट अंधियार नैन नहीं सूझे, ज्ञान का दीप जगा दीजो हो।

विष की लहर उठत घट अंतर, अमृत बूँद चुवाय दीजो हो।

गहिरी नदिया अगम बोहाय, खेय के पार लगा दीजो हो।

धर्मदास की अरज गुसाईं, अब की बार लगाय दीजो हो।

अथवा भजन करौ भाई रे, अइसन तन पायके।

नहिं रहे लंकापति रावन, नहिं रहे दुर्योधन राई रहो।

मात पिता सुत ठाढ़े भाई बंध, आयो जमराज पकर लै जाई रे।

लाल खंभ पर हेत गड़ना, बिन सतगुरु को होत सहाई रे।

धरमदास के अरज गोसाईं, नाम कबीर कहौं गोहराई रे।

(ख) दशहरा परब सबो मन के माने जाथय, पर आज हरा देस के सबो मनखे येला राष्ट्रीय परब मानके मनाथय! कोनो नव-दुर्गा के कारन, कोनो वीर पूजा के कारन, कोनो राम के उपासना के कारन, व्यापारी अपन व्यापार के कारन, अउ कतको झन रमायन के पाठ करके जन जागरन कराथय।

अथवा सियान मन के सीख के गोठ मा, सला का करना चाही का नई करना चाही सगुन-असगुन बात के संकेत मिलथे। बेटा ह खाय बर बइठे अउ महतारी ह कहूँ परसथे, त ह कउँरा जादा खाना परस देथे। बेटा ह खिसियाथे त महतारी ह हाँस के कहिथे -

" माता के परसे

अउ मेघा के बरसे।"

(ग) दू हाथ बढ़ाये आगू, हो जाथे जम्मो काज रे।
छुटा सुरु हो जाथे, जब ले लेथस अनताज रे।।
भांगर पेरे तैं भुइयाँ मं, अनरसना के राज रे।
माटी सोना होही, पछीना चुचवाही आज रे।।
देह जुड़ही झटकुन, परिही जब जोरहा घाम रे।।

अथवा तिजगा पारी के बजार म, परमारथ के मोल कहाँ
हाँसा के गुरतुर भाखा बोलथ, उही परगट पा लेथे।।

प्रश्न 2. संत धर्मदास का संक्षिप्त परिचय देते हुए उनकी काव्यगत विशेषताओं की चर्चा कीजिए। (12)

अथवा छत्तीसगढ़ी निबंध के विकास में लखनलाल गुप्त का स्थान निरूपित कीजिए।

प्रश्न 3. लखनलाल गुप्त रचित 'सोनपान' निबंध का केन्द्रीय भाव बताइए। (12)

अथवा कहावत एवं लोकोक्ति की परिभाषा देते हुए सामाजिक जीवन में उनके महत्व पर अपने विचार प्रकट कीजिए।

प्रश्न 4. टिप्पणी लिखिए — (कोई 4) (12)

1. पं सुन्दरलाल शर्मा के काव्य की भावपक्षीय विशेषता बताइए।
2. कपिलनाथ कश्यप का संक्षिप्त परिचय दीजिए।
3. 'चँदैनी गोंदा' का उद्देश्य बताइए।
4. लखनलाल गुप्त की भाषा शैली
5. रामचंद्र देशमुख का योगदान
6. 'देवार डेरा' लोकमंच के सामाजिक पहलू के बारे में बताइए।
7. 'एक किसिम के नियाव' कविता के शिल्पपक्ष पर प्रकाश डालिए।

Scanned by CarbonScanner

प्रश्न 5. अतिलघुउत्तरीय प्रश्न -

(15)

1. 'खूब तमाशा' किसकी रचना है?
2. छत्तीसगढ़ी के 'अरया', अंतिन' प्रत्यय लगाकर शब्द बनाइये
3. 'भरमय' का शुद्ध हिन्दी रूप लिखिए।
4. छत्तीसगढ़ी में 'दशहरा' शब्द का अपभ्रंश बताइएं।
5. धर्मदास के गुरु कौन थे?
6. 'पण्डवानी' का उद्गम कहाँ से माना जाता है?
7. रडित गीता का समय क्या है?
8. 'चार झन' किस प्रकार का विशेषण है?
9. 'भारी' का कथानक नारी प्रधान है या पुरुष प्रधान?
10. 'भारी' का स्क्रिप्ट किसने लिखा?
11. 'कमचिल' का हिन्दी रूप लिखिए।
12. छत्तीसगढ़ के प्रथम संत कौन हैं?
13. पंडवानी गायिका का नाम लिखिए।
14. बिंझवारी कहाँ बोली जाती है?
15. 'एक सरब एकेल सारखा' के रचनाकार कौन हैं?

Scanned by CarbonScanner